Answer Sheet With Explanation

Date: 25/02/2023

Duration : 2 hr

CIVIL SERVICES PRELIMINARY EXAM

VAJIRAO & REDDY INSTITUTE

India's Top Potential Training Institute for IAS

B

Test Booklet Code: 710 **Test Booklet No:** 665876 **Total Ques:** 100

1 B
Ex.

2 C
Ex.

3 D
Ex.

4 C
Ex.

5 A
Ex.

6 B
Ex.

7 C
Ex.

8 A
Ex.

9 B
Ex.

10 D
Ex.

11 C
Ex.

12 D
Ex.

13 C
Ex.

14 C
Ex.

15 A
Ex.

16 C
Ex. पश्चिम में ग्रीस और बुल्गारिया।

17 C
Ex. • भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ तूफान हैं जो कैस्पियन या भूमध्य सागर में उत्पन्न होते हैं, और उत्तर–पश्चिम भारत में गैर–मानसून वर्षा लाते हैं।
• एक पश्चिमी विक्षोभ, जिसे भूमध्यसागरीय क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले एक अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय तूफान के रूप में लेबल किया गया है, कम दबाव का एक क्षेत्र है जो उत्तर पश्चिम भारत में अचानक बारिश, बर्फ और कोहरा लाता है।
• अशांति ''पश्चिमी'' से पूर्वी दिशा में जाती है।
• ये उच्च–ऊंचाई वाले पश्चिमी जेट धाराओं पर पूर्व की ओर यात्रा करते हैं – पश्चिम से पूर्व की ओर पृथ्वी को पार करने वाली तेज हवाओं के विशाल रिबन।
• वे भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवेश करने के लिए धीरे–धीरे ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से मध्य–पूर्व में यात्रा करते हैं।
• अशांति का अर्थ है ''अशांत'' या कम वायु दाब का क्षेत्र।
• प्र.ति में सन्तुलन विद्यमान रहता है जिसके कारण किसी क्षेत्र की वायु अपने दाब को सामान्य करने का प्रयास करती है।

18 A
Ex. • आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNISDR) IDNDR के सचिवालय का उत्तराधिकारी है और 1999 में संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण रणनीति को लागू करने के लिए बनाया गया था।
• ह्योगो फ्रेमवर्क फॉर एक्शन (एचएफए) दुनिया को प्रा.तिक खतरों से सुरक्षित बनाने के लिए एक 10–वर्षीय योजना (2005–2015) है। आपदा जोखिम में कमी, पहचान, कानूनी और नीतिगत ढांचे के माध्यम से मूल्यांकन, आपदा तैयारी और नवाचार के उपयोग जैसी प्राथमिकताओं को अपनाया गया।
• आपदा जोखिम न्यूनीकरण 2015–2030 के लिए सेंदाई फ्रेमवर्क, ह्योगो फ्रेमवर्क का उत्तराधिकारी साधन है।
• यह एक गैर–बाध्यकारी समझौता है, जिसे हस्ताक्षर करने वाले देश, भारत सहित, स्वैच्छिक आधार पर पालन करने का प्रयास करेंगे।

19 D
Ex.

20 C
Ex. • वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर एक उच्च गति और उच्च क्षमता वाला रेलवे कॉरिडोर है जो विशेष रूप से माल या दूसरे शब्दों में माल और वस्तुओं के परिवहन के लिए है।
• डीएफसी में बेहतर बुनियादी ढांचे और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का निर्बाध एकीकरण शामिल है।
• दूसरी शाखा उत्तर प्रदेश में दादरी से मुंबई में जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट तक लगभग 1,500 किमी डब्ल्यूडीएफसी है, जो रास्ते में सभी प्रमुख बंदरगाहों को छूती है।
• डब्ल्यूडीएफसी में हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश शामिल हैं।
• इसे जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है।

21 C
Ex. तटीय सामुदायिक विकास
गया था, जिसका उद्देश्य आधुनिकीकरण, मशीनीकरण और कम्प्यूटरीकरण के माध्यम से 7,516 किलोमीटर लंबी तटरेखा के साथ समग्र बंदरगाह अवसंरचना विकास करना है।
• सागरमाला कार्यक्रम का विजन एक्जिम (निर्यात–आयात) और घरेलू व्यापार के लिए न्यूनतम बुनियादी ढांचे के निवेश के साथ रसद लागत को कम करना है।
• सागरमाला 2025 तक भारत के व्यापारिक निर्यात को 110 बिलियन अमरीकी डालर तक बढ़ा सकती है और अनुमानित 10 मिलियन नई नौकरियां (4 मिलियन प्रत्यक्ष रोजगार) सृजित कर सकती है।
• मंत्रालय ने संभावित एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ सागरमाला सीप्लेन सर्विसेज (SSPS) की महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की है।
• प्रधानमंत्री ने मार्च 2021 में ''मैरीटाइम इंडिया विजन 2030'' के विमोचन के दौरान सागरमाला – सागरतट समृद्धि योजना की शुरुआत की।
• जिन चार प्रमुख क्षेत्रों में यह पहल आती है उनमें शामिल हैं:
तटीय अवसंरचना विकास
तटीय पर्यटन
तटीय औद्योगिक विकास

22 B

Ex. • स्वदेश दर्शन योजना 2014–15 में पर्यटन और संस्.ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अखिल भारतीय परमिट नियम 2021 के तहत शुरू की गई एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, एक पर्यटक वाहन संचालक अखिल भारतीय पर्यटक प्राधिकरण ध परमिट के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकता है।

23 B

Ex. • ला नीना और एल नीनो उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में होने वाली दो प्रा.तिक जलवायु घटनाएं हैं और पूरी दुनिया में मौसम की स्थिति को प्रभावित करती हैं।

• एक सामान्य वर्ष में, उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया के क्षेत्र में एक सतही निम्न दबाव विकसित होता है और पेरू के तट पर एक उच्च दबाव प्रणाली विकसित होती है। नतीजतन, प्रशांत महासागर के ऊपर व्यापारिक हवाएं पूर्व से पश्चिम की ओर मजबूती से चलती हैं।

• व्यापारिक हवाओं का पूर्वी प्रवाह गर्म सतह के पानी को पश्चिम की ओर ले जाता है, जिससे इंडोनेशिया और तटीय ऑस्ट्रेलिया में संवहन तूफान (तूफान) आते हैं। पेरू के तट के साथ, ठंडा तल ठंडा पोषक तत्वों से भरपूर पानी पश्चिम की ओर खींचे जाने वाले गर्म पानी को बदलने के लिए सतह तक आता है। वाक्यांश ''एल नीनो'' क्राइस्ट चाइल्ड को संदर्भित करता है और इक्वाडोर के तटों पर मछुआरों द्वारा गढ़ा गया था। और पेरू मध्य और पूर्वी प्रशांत के गर्म होने का वर्णन करने के लिए।

• एल नीनो इक्वाडोर और पेरू के तट के साथ समुद्र की सतह के गर्म पानी के सामयिक विकास को दिया गया नाम है। एल नीनो की घटनाएं 2–7 वर्षों के अंतराल पर अनियमित रूप से घटित होती हैं, हालांकि औसत लगभग हर 3–4 वर्षों में एक बार होता है। अल नीनो घटना के बाद मौसम की स्थिति आमतौर पर सामान्य हो जाती है।

• हालांकि, कुछ वर्षों में व्यापारिक हवाएं बेहद मजबूत हो सकती हैं और मध्य और पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में ठंडे पानी का असामान्य संचय हो सकता है। इस घटना को ला नीना कहते हैं।

24 D

Ex. को कवर करेगी।

गुजरात में नर्मदा सरोवर बांध से कच्छ में पानी लाएगी।

• पश्चिम की ओर बहने वाली सबसे बड़ी नदी, नर्मदा, मध्य प्रदेश में पहाड़ों की अमरकंटक श्रेणी के पास से निकलती है।

• यह देश की पांचवीं और गुजरात की सबसे बड़ी नदी है।

• यह मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से होकर गुजरती है और कैम्बे की खाड़ी से मिलती है।

• स्रोत से समुद्र तक नदी की कुल लंबाई 1312 किलोमीटर (815 मील) है।

• महत्वपूर्ण सहायक नदियाँ हैं:

शक्कर
शेर
तवा (सबसे लंबी सहायक नदी)
दूधी
गंजाल
उत्तर में सहायक नदियाँ
बरना
हिरन
करम
चोरल
लोहार

नर्मदा नहर परियोजना सौराष्ट्र, कच्छ के साथ–साथ उत्तरी गुजरात के कुछ हिस्सों (अहमदाबाद, मेहसाणा, बनासकांठा, साबरकांठा और पंचमहल)

25 A

Ex. है।

एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) ने हाल ही में भारत के निकोबार द्वीपसमूह के एक हिस्से कच्छल द्वीप पर मैंग्रोव कवर के नुकसान पर प्रकाश डाला। कच्छल द्वीप को पहले स्थानीय भाषा में 'तिहन्यू' के रूप में जाना जाता था।

• कच्छल स्वदेशी और गैर–स्वदेशी दोनों तरह के लोगों का घर है और इसमें निकोबारी जनजातियां शामिल हैं, जो मूल निवासियों के साथ–साथ प्रवासी तमिल हैं, जो ब्रिटिश शासन के अंत में शामिल हुए थे।

• द्वीप पर जाने के लिए एक विशेष अनुमति की आवश्यकता होती है और यह स्थानीय प्रशासन की अनुमति और पर्यवेक्षण के बिना पर्यटकों या बाहरी लोगों के लिए खुला नहीं

26 D

Ex. • चीन द्वारा इससे पीछे हटने के लगभग चार साल बाद, भारत नेपाल, पश्चिम सेती में एक महत्वाकांक्षी जलविद्युत परियोजना का अधिग्रहण करेगा।

• नेपाल सरकार ने 750 esxko,V (मेगावाट) वेस्ट सेटी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और 308 मेगावॉट एसआर6 स्टोरेज हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के समझौते को भारत की नेशनल हाइड्रो पावर कंपनी लिमिटेड (एनएचपीसी) को सौंपने का फैसला किया है।

• वेस्ट सेटी एक 750 मेगावॉट जल विद्युत परियोजना है।

• यह सेती, नेपाल में पश्चिम सेती नदीध्बेसिन पर नियोजित है।

27 C

Ex. • मुकुंदरा टाइगर रिजर्व (TR) राजस्थान के कोटा के पास स्थित है।

• पार्क दो समानांतर पहाड़ों से बनी घाटी में स्थित है। मुकुंदरा और गरगोला।

• 4 नदियाँ (रमजान, आहू, काली और चंबल) घाटी की सीमा बनाती हैं।

• यह चंबल नदी के पूर्वी तट पर स्थित है और इसकी सहायक नदियों द्वारा निकाला जाता है। इसे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत टाइगर रिजर्व (2013) के रूप में अधिसूचित किया गया था और मुकुंदरा पहाड़ियों के रूप में राजस्थान का तीसरा टाइगर रिजर्व बन गया। टाइगर रिजर्व

• इसके बीच से दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे गुजरेगा।

28 D

Ex.
- भारत के प्रधानमंत्री ने बैगा जनजाति की लहरी बाई के प्रयासों की सराहना की, जो बाजरा की 150 से अधिक किस्मों के संरक्षण में लगी हुई हैं।
- बैगा जनजाति विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTGs) में से एक है।
- वे छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में रहते हैं।
- परंपरागत रूप से, बैगा अर्ध–खानाबदोश जीवन जीते थे और स्लेश–एंड–बर्न खेती करते थे। अब, वे मुख्य रूप से अपनी आजीविका के लिए लघु वनोपज पर निर्भर हैं।
- वे झूम खेती के एक रूप का अभ्यास करते हैं जिसे ''बेवार'' कहा जाता है।
- महुआ बैगाओं के खान–पान का अहम पहलू है। यह महुआ के पेड़ के फूलों के किण्वन और आसवन से तैयार किया गया नशा है।
- टैटू बनवाना बैगा संस्कृति का एक अभिन्न अंग है, हर उम्र और शरीर के हिस्से में एक विशिष्ट टैटू होता है जो इस अवसर के लिए आरक्षित होता है।

29 C

Ex.
- धुंधः यह औद्योगिक क्षेत्रों में धुएं या धूल के कारण होता है या जब निचले वातावरण में विभिन्न घनत्वों की हवा में प्रकाश का असमान अपवर्तन होता है। यह निम्न आर्द्रता [सापेक्ष आर्द्रता <75%] वाले क्षेत्रों में देखा जाता है।
- धुंधः यह उच्च आर्द्रता वाले क्षेत्रों में होता है जहां सापेक्ष आर्द्रता 75%+ होती है। वायु में जलवाष्प के संघनन से पानी की छोटी–छोटी बूंदें निचले वायुमंडल में तैरने लगती हैं जिससे बादल बनते हैं।
- कोहराः ये तब बनते हैं जब जल वाष्प धुएं या धूल के कणों पर संघनित होते हैं। दृश्यता कम करने के लिए घने जमीनी बादल बनते हैं। हालांकि कोहरे उष्ण कटिबंध और समशीतोष्ण क्षेत्रों में देखे जाते हैं, वे उष्ण कटिबंध की तुलना में उच्च और मध्य अक्षांशों में सघन होते हैं। जमीन की तुलना में विदेशों में कोहरे अधिक आम हैं और तटीय क्षेत्रों में प्रचलित हैं।

30 C

Ex.
- इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट 2015 के अनुसार, वन देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 21.34% कवर करते हैं।
- मध्य प्रदेश में सबसे बड़ा कुल वन आवरण है, इसके बाद अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ का स्थान है।
- 88.93% वनावरण के साथ मिजोरम में प्रतिशत के संदर्भ में सबसे अधिक वन आवरण है, इसके बाद लक्षद्वीप का स्थान है।

31 C

Ex.

32 D

Ex. सभी विकल्प अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली की विशेषताऐं हैं।

33 D

Ex. सभी विकल्प क्रम में लिखे/वर्णित है।

34 A

Ex.

35 D

Ex.

36 B

Ex.

37 C

Ex. सभी विकल्प दूसरी अनुसूची से सम्बन्धित है। भाग – ठ का लोप कर दिया गया है।

38 D

Ex. सभी 5–बिन्दु मिलकर पँचशील सिद्धान्त कहलाते हैं।

39 B

Ex.

40 B

Ex.

41 A

Ex. अनुच्छेद 22 का शीर्षक है – कुछ दशाओं में गिरफ्तारी एवं निरोध से संरक्षण–

42 C

Ex. यह मानवाधिकार संरक्षण संशोधन अधिनियम 2019 उपर्युक्त सभी बिन्दु का समावेश करता है।

43 B

Ex. सभी विकल्प यू0 के0 के संविधान के महत्वपूर्ण स्रोत को व्याख्या कर रहे हैं।

44 A

Ex.

45 D

Ex. सभी विकल्प यू0 के0 के ऐतिहासिक दस्तावेज, संविधान से सम्बन्धित है।

46 A

Ex.
- स्टेम सेल एक ऐसी कोशिका है जिसका अभी तक शरीर मे कोई विशिष्ट कार्य नहीं है
- खुद को नवीनीकृत करें
- विशिष्ट कार्यों वाली कोशिकाएँ बनने के लिए प्रेरित
- स्टेम सेल को मानव शरीर के बुनियादी बिल्डिंग ब्लॉक्स में से एक माना जा सकता है
- मूल कोशिकाएँ दो मुख्य स्रोतों, वयस्क शरीर के ऊतकों औ भ्रूण से उत्पन्न होती हैं।

47 C

Ex.
- पृथ्वी के घूर्णन के बाद पश्चिम से पूर्व की ओर भूमध्य रेखा के ऊपर पृथ्वी की भूस्थैतिक कक्षा में उपग्रह
- इस प्रकार झुकाव का कोण शून्य है
- भू–स्थिर कक्षा, इसलिए, वास्तव में भूमध्यरेखीय कक्षा का एक विशेष प्रकार है – यह भू–समकालिक कक्षा का सबसेट है
- केवल एक भूस्थैतिक कक्षा है
- उपग्रह का कोणीय वेग पृथ्वी के कोणीय वेग के बराबर होता है अर्थात, वे ठीक उसी गति से यात्रा करते हैं जैसे पृथ्वी – उपग्रह की क्रांति की अवधि पृथ्वी के घूर्णन की अवधि के बराबर होती है
- इससे जियोस्टेशनरी में उपग्रह एक निश्चित स्थिति में 'स्थिर' प्रतीत होते हैं।
- वे पृथ्वी की सतह से लगभग 36000 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित हैं।

48 C

Ex. • ध्रुव एचएएल द्वारा विकसित स्वदेशी है
• यह सैन्य और नागरिक दोनों उद्देश्यों के लिए एक जुड़वां इंजन, बहु–भूमिका, बहु–मिशन नई पीढ़ी का हल्का हेलीकाप्टर है
• इसमें शक्ति इंजन है
• वेरिएंट – ध्रुव एमके–I एमके–II, एमके–III और एमके–IV।
• एमके–1 रात में भी खोज और बचाव कार्यों के दौरान कम .श्यता को कम कर सकता है।
• एमके–III में कांच का कॉकपिट है जिसका उपयोग खोज और बचाव, विशेष अभियान और तटीय निगरानी के लिए किया जाएगा।

49 C

Ex. • नैनोसाइंस नैनो सामग्री और उनके गुणों का अध्ययन कर रही है और नैनो तकनीक कुछ नया या अलग बनाने के लिए उन सामग्रियों और गुणों का उपयोग कर रही है।
• नैनोटेक्नोलॉजी नैनोसाइंस का अनुप्रयोग है जो उपयोगी उत्पादों में नए नैनोमैटेरियल्स और नैनोसाइज घटकों के उपयोग के लिए अग्रणी है।
• नैनोटेक्नोलॉजी अंततः हमें नए उन्नत गुणों, नए नैनोइलेक्ट्रॉनिक घटकों, नए प्रकार की ''स्मार्ट'' दवाओं और सेंसर, और यहां तक कि इलेक्ट्रॉनिक्स और जैविक प्रणालियों के बीच इंटरफेस के साथ कस्टम–मेड सामग्री और उत्पादों को डिजाइन करने की क्षमता प्रदान करेगी।

50 A

Ex. • NavIC एक स्वतंत्र क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली है जिसे भारत द्वारा विकसित किया जा रहा है।
• इसे भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (IRNSS) के रूप में भी जाना जाता है और इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी के उपयोगकर्ताओं को सबसे सटीक और सटीक स्थान सेवा प्रदान करना है
• भारत के साथ–साथ इसकी सीमा से 1500 किमी तक के क्षेत्र में उपयोगकर्ताओं को सटीक स्थिति सूचना सेवा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया
• इसके अनिवार्य रूप से 2 भाग होते हैं
o भाग 1–अंतरिक्ष खंड - 7 उपग्रहों से बना है
o भाग 2–ग्राउंड सेगमेंट (पृथ्वी पर रिसीवर)
• इसके अनुप्रयोग हैं
o स्थलीय, हवाई और समुद्री नेविगेशन
o आपदा प्रबंधन
o वाहन ट्रैकिंग और बेड़े प्रबंधन
o मोबाइल फोन के साथ एकीकरण
o सटीक समय

51 C

Ex. • ट्यूमर असामान्य और अनियंत्रित कोशिका विभाजन के कारण होता है
• जीन जिम्मेदार – ओंकोजीन
• दो प्रकार के होते हैं –
• बिनाइन ट्यूमर – एक विशेष स्थान तक सीमित – फैलता नहीं है
• मैलिग्नेन्ट ट्यूमर – कोशिकाएं विभाजित होती हैं और नए स्थानों पर आक्रमण करती हैं
• मेटास्टेसिस – शरीर के दूर के हिस्सों पर आक्रमण करने के लिए घातक ट्यूमर की संपत्ति – नए ट्यूमर।
• कैंसर पैदा करने वाले एजेंटों को कार्सिनोजन कहा जाता है

52 C

Ex. • ब्रायोफाइट्स गैर–संवहनी स्थलीय पौधे हैं जो बिना फूल वाले और बहुत छोटे होते हैं।
• उदाहरणः मॉस और लिवरवर्ट्स।
• वे मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए जाने जाते हैं।
• प्रजनन बीजाणुओं के माध्यम से होता है।
• उन्हें अपना जीवन चक्र पूरा करने के लिए भूमि और पानी दोनों की आवश्यकता होती है और इसलिए उन्हें ''पौधों के साम्राज्य के उभयचर'' कहा जाता है।

53 C

Ex. • प्रोटीन एक जटिल कार्बनिक यौगिक है।
• अमीनो एसिड प्रोटीन के निर्माण खंड हैं।
• अमीनो एसिड 20 प्रकार के होते हैं।
• मनुष्य 20 में से 11 अमीनो एसिड का संश्लेषण कर सकते हैं।
• ऐसे अमीनो एसिड जिन्हें संश्लेषित नहीं किया जा सकता – आहार में प्राप्त किया जाना चाहिए – आवश्यक अमीनो एसिड कहा जाता है।

54 D

Ex. • इसे अफ्रीकी ट्रिपैनोसोमियासिस के नाम से भी जाना जाता है
• प्रोटोजोआ (ट्रिपैनोसोमा ब्रूसी) के कारण
• वेक्टर जो रोग फैलाते हैं वे हैं त्सेत्से मक्खी (ग्लोसिना प्रजाति)
• लक्षण
o पहली अवस्था – बुखार, सिरदर्द, खुजली और जोड़ों में दर्द
o बाद की अवस्था – भ्रम, खराब समन्वय, सुन्नता, और सोने में परेशानी
• दवा से ठीक हो सकता है, लेकिन अगर अनुपचारित छोड़ दिया जाए तो यह घातक है।

55 B

Ex. • पूरी दुनिया में रक्त के लिए दो तरह के समूह बनाए जाते हैं।
  • एबीओ ग्रुपिंग
  • आरएच ग्रुपिंग
• एबीओ ग्रुपिंग
• यह समूहीकरण आरबीसी – ए और बी पर दो सतह एंटीजन की अनुपस्थिति की उपस्थिति पर आधारित है।
• एंटीजन रसायन होते हैं जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को प्रेरित कर सकते हैं।
• प्लाज्मा में दो प्रा.तिक एंटीबॉडी भी होते हैं – एंटीबॉडी–ए और बी
• रक्त आधान के दौरान, दाता रक्त और प्राप्तकर्ता रक्त मेल खाना चाहिए
• बेमेल रक्त के जमने का कारण होगा
• रक्त समूह एबी वाले व्यक्तियों में, प्लाज्मा पर एंटीबॉडी अनुपस्थित हैं। इसलिए उन्हें सार्वभौमिक प्राप्तकर्ता कहा जात है।

56 A

Ex. • प्रकार I वक्र, बड़े स्तनधारियों द्वारा चित्रित, उन जीवों को ट्रैक करता है जो लंबे जीवन जीते हैं (कम मृत्यु दर और उच्च उत्तरजीविता दर);

• उनकी जीवन प्रत्याशा के अंत की ओर, हालांकि, मृत्यु दर में नाटकीय वृद्धि हुई है।

• उनके माता–पिता की बहुत अच्छी देखभाल होती है

• इन जीवों को इटरोपेरस जीव कहा जाता है

57 A

Ex. • हिमालयी घास के मैदानों में बंगाल टाइगर की सबसे घनी आबादी है, जो एशियाई हाथियों और एक सींग वाले गैंडों के साथ रहते हैं।

• पहाड़ लाल पांडा, सुनहरे लंगूर और ताकिन को शरण देते हैं।

• हिमालय के दूर–दराज के हिस्सों में, अधिक ऊंचाई पर, हिम तेंदुए, भूरे भालू, छोटे पांडा और तिब्बती याक की आबादी सीमित है।

• याक को पालतू बना लिया गया है और लद्दाख में बोझ ढोने वाले जानवर के रूप में इसका इस्तेमाल किया जाता है।

58 D

Ex. • यह 2021 में चीन के कुनमिंग में आयोजित जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, COP–11 का परिणाम है

• यह पक्षकारों को निर्णय लेने में जैव विविधता संरक्षण को ''मुख्यधारा'' में लाने और मानव स्वास्थ्य की रक्षा में संरक्षण के महत्व को पहचानने का आह्वान करता है।

• इसे अपनाकर, राष्ट्रों ने जैव सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल के लिए 2020 के बाद प्रभावी कार्यान्वयन योजना, क्षमता निर्माण कार्य योजना के विकास, अंगीकरण और कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया है।

• हस्ताक्षरकर्ता राष्ट्रों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि महामारी के बाद की रिकवरी योजनाएं जैव विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग में योगदान दें, सतत और समावेशी विकास को बढ़ावा दें।

59 A

Ex. • यह 2000 में जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के असाधारण सीओपी का परिणाम है।

• इसे जैव सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल कहा जाता है।

• यह एक अंतरराष्ट्रीय संधि है जो एक देश से दूसरे देश में आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के परिणामस्वरूप जीवित संशोधित जीवों (स्ड्टे) की आवाजाही को नियंत्रित करती है जो जैविक विविधता के संरक्षण और स्थायी उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

• इसे जनवरी 2000 में जैविक विविधता पर कन्वेंशन के पूरक समझौते के रूप में अपनाया गया था।

• यह सितंबर 2003 को लागू हुआ।

60 B

Ex. ताकि उनकी ओर से प्रतिक्रिया प्राप्त की जा सके।

61 C

Ex. बाद इसके पहले निदेशक मौरिस स्ट्रॉन्ग द्वारा की गई थी। बड़ा सम्मेलन था, और अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण राजनीति के विकास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

यह 1972 में 'केवल एक पृथ्वी' विषय के साथ स्थिरता को बढ़ावा देने और प्रा.तिक पर्यावरण की रक्षा के लिए वैश्विक प्रयासों का समन्वय करने के लिए आयोजित किया गया था।

122 देशों ने 26 सिद्धांतों और एक कार्य योजना पर स्टॉकहोम घोषणा को अपनाया।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रतिक्रियाओं के समन्वय के लिए जिम्मेदार है। इसकी स्थापना जून 1972 में स्टॉकहोम में मानव पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के

62 B

Ex. 9 फरवरी, 2011 को पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार, संरक्षित क्षेत्रों के लिए ESZ को ''शॉक एब्जॉर्बर'' के रूप में बनाया गया है, ताकि आस–पास होने वाली कुछ मानवीय गतिविधियों द्वारा ''नाजुक पारिस्थितिक तंत्र'' पर नकारात्मक प्रभाव को कम किया जा सके।

इसके अलावा, इन क्षेत्रों को उच्च सुरक्षा की आवश्यकता वाले क्षेत्रों से कम सुरक्षा की आवश्यकता वाले क्षेत्रों के संक्रमण क्षेत्र के रूप में कार्य करने के लिए बनाया गया है।

अनुमत और निषिद्ध गतिविधियाँ:

पेड़ों की कटाई जैसी विनियमित गतिविधियों के अलावा ESZ में प्रतिबंधित गतिविधियाँ, जैसे वाणिज्यिक खनन, आरा मिल, लकड़ी का व्यावसायिक उपयोग आदि।

अन्य गतिविधियों के अलावा चल रही .षि या बागवानी प्रथाओं, वर्षा जल संचयन, जैविक खेती जैसी गतिविधियों की अनुमति है।

63 C

Ex. भारत EPI 2022 में 18.9 EPI के स्कोर के साथ 180वें स्थान पर है।

ईपीआई के बारे में:

ईपीआई, एक द्विवार्षिक सूचकांक, 2002 में पर्यावरण स्थिरता सूचकांक के रूप में शुरू किया गया था।

द्वारा तैयार: वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) येल सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल लॉ एंड पॉलिसी और कोलंबिया यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर इंटरनेशनल अर्थ साइंस इंफॉर्मेशन नेटवर्क के सहयोग से।

म्च् जलवायु परिवर्तन के प्रदर्शन, पर्यावरणीय स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी तंत्र की जीवन शक्ति पर 180 देशों को रैंक करता है।

64 B

Ex.

65 D

Ex. सरकार ने विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) अधिनियम, 2005 को बदलने के लिए परामर्श के लिए एक मसौदा विकास उद्यम और सेवा हब (DESH) विधेयक, 2022 जारी किया है।

विशेष आर्थिक क्षेत्र क्या है?

SEZ एक विशेष रूप से चित्रित शुल्क मुक्त एन्क्लेव है और व्यापार संचालन और कर्तव्यों और टैरिफ के प्रयोजनों के लिए विदेशी क्षेत्र माना जाता है।

भारत ने ऐसे निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र (ईपीजेड) मॉडल की प्रभावशीलता को जल्दी ही पहचान लिया और 1965 में कांडला में एशिया का पहला ईपीजेड स्थापित किया।

66 C

Ex. प्रधान मंत्री ने नया पोर्टल NIRYAT पोर्टल लॉन्च किया– भारत के विदेश व्यापार पर आवश्यक सभी सूचनाओं के लिए वन–स्टॉप प्लेस।

यह सभी हितधारकों को रीयल टाइम डेटा प्रदान करके साइलो को तोड़ने में मदद करेगा।

विश्व के 200 से अधिक देशों को निर्यात की जाने वाली 30 से अधिक वस्तु समूहों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध होगी।

आने वाले समय में जिलेवार निर्यात से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

67 B

Ex. द्वारा जारीः प्रबंधन विकास संस्थान (IMD)

मुख्य विशेषताएंः

भारत ने एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज वृद्धि देखी है, 43वें से 37वें स्थान पर छह स्थान की छलांग के साथ, मुख्य रूप से आर्थिक प्रदर्शन में लाभ के कारण।

डेनमार्क 63 देशों की सूची में पिछले साल तीसरे स्थान से शीर्ष पर पहुंच गया है।

2022 में व्यवसायों को प्रभावित करने वाले चार सबसे महत्वपूर्ण रुझान हैं

- o स्फीतिकारी दबाव,
- o भू–राजनीतिक संघर्ष
- o आपूर्ति श्रृंखला की अड़चनें
- o कोविड

यह विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट से अलग है।

68 A

Ex. यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (न्ैज्त्) के कार्यालय ने अपनी विशेष 301 रिपोर्ट में, अर्जेंटीना, चिली, चीन, इंडोनेशिया, रूस और वेनेजुएला जैसे छह अन्य देशों के साथ अपनी प्राथमिकता निगरानी सूची में भारत को बनाए रखा।

विशेष 301 रिपोर्ट क्या है?

यह यूएसटीआर द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट है जिसमें देशों द्वारा आईपीआर उल्लंघनों के बारे में विवरण दिया गया है।

उल्लंघनों को संयुक्त राज्य अमेरिका में आईपीआर मानदंडों के अनुसार अनुक्रमित किया जाता है।

69 D

Ex. स्पष्टीकरणः ईरान ने अंतर्राष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण ट्रांजिट कॉरिडोर (प्छैज्ब्) का उपयोग करके रूस के सामानों को भारत में स्थानांतरित करना शुरू किया।

- INSTC एक मल्टी–मोडल ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क है, जिसकी पहली बार 2000 में रूस, भारत और ईरान द्वारा सदस्य राज्यों के बीच परिवहन सहयोग को बढ़ावा देने के लिए परिकल्पना की गई थी।
- INSTC ईरान के रास्ते हिंद महासागर और फारस की खाड़ी को कैस्पियन सागर से जोड़ता है और फिर रूस के माध्यम से सेंट पीटर्सबर्ग और उत्तरी यूरोपीय से जुड़ा है।
- वर्तमान में, इसके 13 सदस्य हैंः भारत, ईरान, रूस, अजरबैजान, आर्मेनिया, कजाकिस्तान, बेलारूस, तुर्की, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान, ओमान, यूक्रेन और सीरिया।

70 D

Ex. की आयु, जो भी पहले हो) दिया था।

71 C

Ex. फ्रांस अमेरिका के नेतृत्व वाले बहुपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है जिसे आर्टेमिस समझौते कहा जाता है।

आर्टेमिस समझौते क्या हैं?

इसकी घोषणा अमेरिकी नागरिक अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 2020 में की थी।

यह चंद्रमा के चालक दल के अन्वेषण के लिए आर्टेमिस कार्यक्रम के आसपास के दिशानिर्देशों का एक समूह है।

यह समझौता अंतरराष्ट्रीय भागीदारों और वाणिज्यिक खिलाड़ियों दोनों की भागीदारी के साथ चंद्र अन्वेषण और उससे आगे के लिए है।

72 A

Ex. स्पष्टीकरणः एक अध्ययन ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि कैसे माया लोगों ने अपने मक्का को रासायनिक प्रक्रिया के साथ मजबूत किया जिसे 'निक्सटामलाइजेशन' कहा जाता है Nixtamalization, एक ऐसी विधि है जिसके द्वारा मेसोअमेरिका (मेक्सिको और मध्य अमेरिका का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द) जैसे माया एक क्षारीय घोल में अपने मक्का को भिगोते और पकाते थे और इसे अधिक स्वादिष्ट, पौष्टिक और गैर विषैले बनाते थे।

प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि मक्के में अमीनो एसिड, कैल्शियम और विटामिन बी2 होते हैं, जिनका मानव शरीर द्वारा उपयोग किया जा सकता है। यह मक्के में मौजूद कुछ मायकोटॉक्सिन को भी खत्म करता है।

73 D

Ex. LMT, भारत का पहला और एशिया का सबसे बड़ा लिक्विड–मिरर टेलीस्कोप, नैनीताल (उत्तराखंड) में आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज (ARIES) की देवस्थल वेधशाला में कमीशन किया गया है।

ARIES विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत एक स्वायत्त संस्थान है।

LMT क्षुद्रग्रहों, सुपरनोवा, अंतरिक्ष मलबे और अन्य सभी आकाशीय पिंडों का निरीक्षण करेगा।

भारत, बेल्जियम और कनाडा के खगोलविदों द्वारा निर्मित, LMT प्रकाश को इकट्ठा करने और ध्यान केंद्रित करने के लिए तरल पारा (एक परावर्तक तरल) की एक पतली फिल्म से बना एक घूमने वाला दर्पण लगाता है।

LMT, एक प्राथमिक दर्पण है जो तरल है, जिसे मोड़ा नहीं जा सकता है और किसी भी दिशा में इंगित किया जा सकता है और आकाश को पृथ्वी के घूमने के रूप में देखता है।

74 C

Ex.

75 C

Ex. दिसंबर, 1916 में, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारतीय मुस्लिम लीग दोनों ने अपनी पार्टियों का आयोजन किया। संयुक्त अधिवेशन में लखनऊ समझौता हुआ। मराठा नेता बाल गंगाधर तिलक की अध्यक्षता वाली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और एमए जिन्ना के नेतृत्व वाली अखिल भारतीय मुस्लिम लीग द्वारा किया गया लखनऊ समझौता समझौता।

76 D

Ex. लखनऊ अधिवेशन में 1916 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का। महात्मा गांधी को चंपारण के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया गया। ध्यान आकर्षित करने के लिए लखनऊ गए प्रतिनिधिमंडल में पीर मुनी शामिल थे। हरिबंश सहाय और रामचंद्र शुक्ल।

77 D

Ex. बालगंगाधर तिलक ने अप्रैल, 1916 में बेलगाम में इंडियन होम रूल लीग की शुरुआत की। एनी बेसेंट ने सितंबर, 1916 में मद्रास में होम रूल लीग की शुरुआत की। उनका भारत में स्वशासन प्राप्त करने का सामान्य उद्देश्य था। दोनों लीगों के बीच अनौपचारिक समझ थी, जहाँ तिलक की लीग ने महाराष्ट्र (बॉम्बे को छोड़कर), कर्नाटक में काम किया। बरार और मध्य प्रांत। बेसेंट ने देश के बाकी हिस्सों में काम किया।

78 C

Ex. मुहम्मद अली (एमए) जिन्ना होम रूल आंदोलन से जुड़े नहीं थे। 1916 में बाल गंगाधर तिलक और एनी बेसेंट ने अलग–अलग होमरूल आन्दोलन चलाया। तिलक ने अप्रैल, 1916 में बेलगाम में आयोजित बॉम्बे प्रांतीय सम्मेलन में होम रूल लीग की स्थापना की। एनी बेसेंट ने मद्रास में सितंबर 1916 में होम रूल लीग की शुरुआत की। उनका भारत में स्वशासन प्राप्त करने का सामान्य उद्देश्य था।

79 B

Ex. महात्मा गढ़ी का फीनिक्स आश्रम सबसे पुराना है। इसकी स्थापना गांधीजी ने 1904 में डरबन के पास की थी। भारत में गांधीजी का पहला आश्रम 25 मई, 1915 को अहमदाबाद के कोचरब क्षेत्र में स्थापित किया गया था। तब आश्रम को साबरमती नदी के तट पर स्थानांतरित कर दिया गया था।

80 C

Ex. 4 फरवरी, 1916 को, गांधीजी ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज की। उन्होंने बीएचयू में जनसभा को संबोधित किया, उस सभा में दरभंगा के महाराजा मौजूद थे. विश्वविद्यालय की स्थापना महान राष्ट्रवादी नेता ने की थी। 1916 में पंडित मदन मोहन मालवीय, BHU संसदीय विधान BHU अधिनियम 1915 के तहत बनाया गया था।

81 C

Ex. लॉर्ड चेम्सफोर्ड वायसराय थे, जब 'रौलेट एक्ट' पारित किया गया था। भारतीयों के विरोध के बावजूद इसे 1919 में पारित किया गया था। रौलट एक्ट ब्रिटिश सरकार द्वारा आम लोगों पर सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए पारित किया गया था।

82 C

Ex. रवींद्रनाथ टैगोर ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में 'नाइटहुड' त्याग दिया।

कवि को साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिलने के दो साल बाद 1915 में रवींद्रनाथ टैगोर को नाइटहुड से सम्मानित किया गया था। उन्होंने 31 मई, 1919 को 'नाइटहुड' की उपाधि वापस कर दी। अमृतसर में 30 अप्रैल, 1919 को नरसंहार हुआ था, जब जनरल डायर के नेतृत्व में ब्रिटिश भारतीय सेना द्वारा जलियांवाला बाग पर भीड़ को गोली मार दी गई थी।

83 A

Ex. दी गई घटनाओं का सही क्रम डॉ. सत्यपाल की कैद, जलियांवाला बाग हत्याकांड और अमृतसर कांग्रेस अधिवेशन, 1919 है। डॉ. सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल को 9 अप्रैल, 1919 को पुलिस ने कैद कर लिया था।

जलियांवाला बाग हत्याकांड 13 अप्रैल, 1919 को हुआ था। अमृतसर कांग्रेस अधिवेशन 20 दिसंबर, 1919 को आयोजित किया गया था।

84 A

Ex. मौलाना शौकत अली और मौलाना मुहम्मद अली जिन्हें 'अली ब्रदर्स' के नाम से जाना जाता है, ने भारत में खिलाफत आंदोलन (1919–1924) शुरू किया। यह खिलाफत की संप्रभुता की रक्षा के लिए तुर्क खलीफा को खत्म नहीं करने के लिए ब्रिटिश सरकार को प्रभावित करने के लिए एक राजनीतिक विरोध अभियान था।

खिलाफत आंदोलन के नेताओं ने आगामी असहयोग आंदोलन के लिए कांग्रेस से हाथ मिलाया और कांग्रेस नेताओं की मद से अपना कारण प्रस्तुत किया।

85 B

Ex. मदन मोहन मालवीय ने खिलाफत आंदोलन का समर्थन नहीं किया। वह एक भारतीय विद्वान, शिक्षा सुधारक और राजनीतिज्ञ थे।

वह चार बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष और अखिल भारतीय हिंदू महासभा के संस्थापक थे। उन्हें 'पंडित', सम्मान की उपाधि और महामना (महान आत्मा) के रूप में भी संबोधित किया गया था। डब्ल्यू

86 D

Ex.

87 B

Ex. 1927 के साइमन कमीशन का बहिष्कार किया गया, क्योंकि आयोग में कोई भारतीय सदस्य नहीं था। 1927 में, ब्रिटिश सरकार ने भारतीय वैधानिक आयोग की नियुक्ति की, जिसे इसके अध्यक्ष साइमन के नाम से जाना जाता है। लॉर्ड इरविन उस समय भारत के वायसराय थे। समिति को 1919 के मोंटागु–चेम्सफोर्ड सुधारों की समीक्षा करनी थी और इदनिया में एक प्रतिनिधि सरकार को किस हद तक पेश किया जा सकता है, इसकी रिपोर्ट देनी थी। राष्ट्रीय कांग्रेस ने 1927 में अपने मद्रास अधिवेशन में आयोग का बहिष्कार करने का फैसला किया।

88 B

Ex. 1929 में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज' या पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई। इस अधिवेशन में, सदस्य इस बात पर सहमत हुए कि कांग्रेस और भारतीय राष्ट्रवादियों को पूर्ण स्वराज के लिए संघर्ष करना चाहिए या उन्हें पूरी तरह से स्वतंत्र रूप से शासन करना चाहिए।

89 D

Ex. इलाहाबाद में अशोक स्तंभ समुद्रगुप्त के बारे में जानकारी प्रदान करता है। इसमें उनके शासनकाल की राजनीतिक और सैन्य उपलब्धियां शामिल थीं।
यह स्तंभ मूल रूप से अशोक द्वारा तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में बनवाया गया था। 1583 में अकबर द्वारा इलाहाबाद किले के प्रवेश द्वार के सामने स्तंभ को इलाहाबाद ले जाया गया था।

90 C

Ex. इलाहाबाद स्तंभ अभिलेख की रचना हरिसेना ने की थी।
यह शिलालेख समुद्रगुप्त के शासनकाल की राजनीतिक और सैन्य उपलब्धियों को सूचीबद्ध करता है जिसमें दक्षिण में उनके अभियान भी शामिल हैं।
स्तंभ में गुप्त सम्राट के कार्यों और गुणों की प्रशंसा करते हुए एक प्रशस्ति (एक स्तुति) शामिल है।

91 C

Ex. चंद्रगुप्त द्वितीय को 'शक–विजेता' के रूप में जाना जाता है, चंद्रगुप्त द्वितीय ने पश्चिमी भारत के शक क्षत्रपों के खिलाफ अपना अभियान शुरू किया। उसने युद्ध में बड़ी सफलता प्राप्त की और क्षत्रप साम्राज्यों पर विजय प्राप्त की और उनका विलय कर दिया।
शकों को नष्ट करने के बाद उन्होंने शकों के विनाशक, सकारी की उपाधि धारण की। गुप्त साम्राज्य तब अरब सागर के तट तक फैला हुआ था।

92 C

Ex. भानुगुप्त, मध्य प्रदेश के एरण स्तंभ शिलालेख से सती का पहला अभिलेखीय साक्ष्य मिला है। कुछ रिकॉर्ड बताते हैं कि सती का पहला उदाहरण 510 ईस्वी में गुप्त काल में दिखाई देता है।

93 A

Ex. हिमालय पर्वत की हिमाद्री श्रेणी भारत की सबसे नवीन श्रेणी है। इसमें यूरेशियन प्लेट के साथ भारतीय प्लेट के टकराने से बनने वाले नए वलित पर्वत शामिल हैं। वे लगभग 40 और 50 मिलियन वर्ष पहले बनने लगे थे।

94 D

Ex. भाबर निचले हिमालय के दक्षिण में और कुमाऊँ क्षेत्र में शिवालिक का क्षेत्र है। यह तलछट का जलोढ़ एप्रन है जो भारत–गंगा के मैदान के उत्तरी किनारे के साथ शिवालिक से धोया जाता है।

95 A

Ex. सियाचिन ग्लेशियर काराकोरम रेंज में स्थित है। काराकोरम श्रेणी पामीर से पूर्व की ओर लगभग 800 किमी तक फैली हु है। यह ऊँची चोटियों वाली एक श्रेणी है।

96 A

Ex. लुशाई पहाड़ियाँ भारत और म्यांमार के बीच स्थित पर्वत श्रृंखला हैं।
लुशाई रेंज पटकाई रेंज सिस्टम का एक हिस्सा है। इसका उच्चतम बिंदु फौंगपुरी 2157 मीटर ऊंचा है, जिसे 'ब्लू माउंटेन' भी कहा जाता है। मिजोरम और मणिपुर लुशाई पहाड़ियों का हिस्सा हैं।

97 C

Ex. दिए गए विकल्पों में लेह सबसे शुष्क स्थान है। लेह क्षेत्र में मानसून के दौरान लगभग 15.4 मिमी वर्षा होती है, जो देश के अन्य राज्यों के मासिक औसत से काफी कम है। लेह की वार्षिक वर्षा बेहद कम है, क्योंकि लेह काराकोरम पर्वतमाला के वर्षा छाया क्षेत्र में पड़ता है।

98 A

Ex. कथन (1), (2) और (3) सही हैं।
मुंबई पश्चिमी घाटों के हवा की ओर स्थित है, इसलिए यह दक्षिण–नम मानसून की अरब सागर शाखा से वर्षा प्राप्त करता है, जबकि पुणे पश्चिमी घाटों के प्रतिवर्ती पक्ष में है।
विदर्भ दक्कन पठार के उत्तरी भाग में स्थित है। यह क्षेत्र वष छाया क्षेत्र में पड़ता है और कम वर्षा प्राप्त करता है।
जम्मू और कश्मीर, राजस्थान और पंजाब जैसे राज्य आमतौर पर अंत में मानसून प्राप्त करते हैं।

99 D

Ex. भारत में ग्रीष्मकालीन मानसून के प्रवाह की सामान्य दिशा दक्षिण पश्चिम से उत्तर पूर्व की ओर है।
गर्मियों के दौरान उच्च तापमान के कारण उत्तर–पश्चिम क्षेत्र पर कम दबाव होता है और भूमध्य रेखा पर कम दबाव वाले क्षेत्र से हवाएं दक्षिण–पश्चिम से उत्तर–पूर्व दिशा में भू–भाग में खींची जाती हैं।

100 B

Ex. भारत के उत्तर पश्चिमी मैदान में पश्चिमी विक्षोभ के कारण होने वाली शीतकालीन वर्षा धीरे–धीरे पश्चिम से पूर्व की ओर घटती जाती है। पश्चिमी विक्षोभ भूमध्य सागर या कैस्पियन सागर में उत्पन्न होने वाले अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय (उष्णकटिबंधीय के बाहर) चक्रवात हैं।